

५

# ଅନ୍ତର୍ଜାଲ ପରିଷକ୍ଷଣା

५०

ଅଜ୍ଞା ନିଜୀ ଶୁଣୁ ମେହି ପିଲ୍ଲୀ ଜେଣୀ ଜେଜୀ ଅଂଜଂ ଗାନ୍ଧାରା  
ରେକ୍ଟର୍‌ରୀ ତାତକାଳି ହସଦକ୍ଷକା ପଥକାଳୀ ଯତତ୍ତ୍ଵାପରାକାରୀ

五

藏文：༄༅ ། བ ད ས ར མ ཉ ག ང

ॐ एकाग्रीभिर्गीभयस्त्विष्टुवूमंकुष्ठता ॥ अङ्गेषु त्रिष्टुवं वदन्ति द्विष्टुर्गुरुं

2

ऐक्षु के दृष्टिकोण में यह अनुरूप है।

五

# ଓঁ শুভ হিংসা প্রতি প্রেরণা